

विजया, देना बैंक का एक अप्रैल से बैंक आफ बड़ौदा में विलय, होगा तीसरा बड़ा बैंक

छत्तीस गढ़ दिल्ली

दो सरकारी बैंकों विजया बैंक और देना बैंक का एक अप्रैल से बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय हो जाएगा। इन दोनों बैंकों के विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा देश का तीसरा सबसे बड़ा बैंक बन जाएगा।

विलय के बाद विजया बैंक और देना बैंक को राष्ट्रीय श्रेणी का बैंक ऑफ बड़ौदा की श्रेणी में ले जाया जाएगा। विजया बैंक ने इतिहास को एक सुनार में रखा, 'विजया बैंक और देना बैंक के उपभोक्ताओं को एक अतिरिक्त से बैंक ऑफ बड़ौदा का उपभोक्ता बन जाएगा।'

दोनों ही बैंक के उपभोक्ता अब बैंक आफ बड़ौदा के बाहक होंगे

सरकारी बैंकों की संख्या घटकर 18

इन विलय के बाद देश में सरकारी बैंकों की संख्या कम होकर 18 रह जाएगी। देश के बैंकिंग क्षेत्र में 31 मार्च 2019 को समाप्त हो रही इस वर्ष के वित्त वर्ष में अलग पहलू की गई।

बैंकों में 1.04 लाख करोड़ की चुनौती होगी

विजया बैंक और देना बैंक के विलय से वर्ष के तीसरे तिमाही के अंत में बैंकों में निशुद्ध 1.04 लाख करोड़ रुपए की चुनौती होगी। इसके अतिरिक्त विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा को विलय के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा की श्रेणी में ले जाया जाएगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा
Bank of Baroda

विजया बैंक
VIJAYA BANK

देना बैंक
DENA BANK

सरकार की हिस्टोरी एलआईटी को हस्तांतरित

विजया बैंक और देना बैंक का बैंक अंतर्गत में विलय करने के लिए ही सरकारी क्षेत्र के अर्द्धसंयोजित बैंक में सरकार की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी को सरकारी क्षेत्र बैंक निगम (एनएसबीआई) को हस्तांतरित कर दिया गया।

केंद्र सरकार ने की शर्तें

केंद्र सरकार ने अधिनियम द्वारा की शर्तों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा को 20-40 करोड़ रुपए देने का फैसला किया। निगम बैंक का विलय को विलय के बाद विजया बैंक के अंतर्गत में ले जाया जाएगा।

संयुक्त निक्षेप का करोबार 14.82 लाख करोड़ होगा

विजया बैंक के संयुक्त निक्षेप को विलय के बाद 14.82 लाख करोड़ रुपए का करोबार होगा।